वाडी से मिल रही किसान को स्थायी आय

मै रामलाल पिता बुदेसिंग उइके ग्राम बडगांव का रहने वाला हु मै गौंड आदीवासी समुदाय से हु। मेरे परिवार में तीन सदस्य है।पहले मेरी आर्थिक स्थिति उतनी अच्छी नही थी, कि मै अपने घर का गुजर वसर कर सकूं। इसलिए मुझे मजदुरी करने बाहर जाना पडता था। कम जमीन होने के कारण मै खेती में उत्पादन भी नही कर पा रहा था।

एक दिन **नागेश्वरा चैरिटेवल ट्रस्ट** के कार्यकता हमारे गॉव आए। और नावार्ड की वाडी परियोजना के विषय में मीटिंग ली उस मीटिंग मे मैने भी भाग लिया तथा उसके फायदे के वारे मे वताया तो मुझे लगा की परियोजना से जुडना चाहिए और उसका लाभ लेना चाहिए। फिर मैने संस्था के कार्यकताओ के कहे अनुसार 41 इंच 41 इंच 41 इंच के गडडे बनाना षुरु किया जब मैने 1 गडडा वनाया तो मुझे वहुत डर लगने लगा तथा मुझे लगा कि मै 60 गडडे वना पाउंगा .क्या ? लेकिन संस्था के कार्यकताओ के मार्गदषन और प्रोत्साहन देने से मुझे लगा कि यह कार्य हो सकता है। फिर इस कार्य को मै और मेर परिवार ने उत्साह पुर्वक 41 इंच 41 इंच 41 इंच के पूरे 60 गडडे मै और मेरी पत्नि ने कडी मेहनत करके पूरा किया तव मेरे मन मे ऐसा विष्वास आने लगा कि मै वाडी को अच्छी तरीके से मेहनत करने से आने वाले दिनों में अच्छा फल मिल सकता है।

फिर मैने कार्यकर्ताओ के बताए अनुसार गोबर की सडी हुई खाद को मिटटी मे मिलाकर गडडा भरा तथा उसके बाद कार्यकर्ताओ दवारा दिए गये पौध रोपण प्रशिक्षण मे भाग लिया। उसके पश्चात् मैने अच्छी बारिष होने पर पौधों को गडडों मे लगााया तथा समय समय पर कार्यकर्ताओ के बताऐ अनुसार खाद लगाया तथा दवा का स्प्रे किया उसके बाद कार्यकर्ताओं के बताये अनुसार अमृतपानी का उपचार हर पॉच दिन के अंतराल में करता हूॅ। जिससे मेरी वाडी तीव्र गति से बढाने लगी है। और मुझे लगने लगा कि आने वाले दिनो मे मैरी अच्छी आमदानी इन पौधो से हो सकती है! इसक साथ साथ मैने अपनी जमीन को सुधारने का काम षुरु किया तथा जमीन मे पडे हुय पत्थरो का उपयोग वंड वनाने मे किया जिससे मेरी जमीन का कटाव भी रुक रहा है और जमीन खेती करने योग्य बन गयी है! मै अपनी जमीन मे अव 20 से 30 हजार की फसल ले

रहा हुं तथा जमीन के निचले हिस्से मे सब्जी भाजी उगाने का कार्य भी कर रहा हु जिससे मुझे 5 से 10 हजार की आमदानी मिल रही है!

वाडी मे अच्छी तरह से कार्य करने के लिए गांव मे ग्राम नियोजन समिती का गठन किया गया है जिसके माध्यम से बैठक मे चर्चा कर हम अपनी समस्या का निदान पाते है तथा समिमि मे बैठक मे संस्था के कार्यकर्ताओ दवारा बताए अनुसार वाडी की देख रेख करते है।

वैसे तो परियोजना के माध्यम से पौधो मे पानी देने के लिए मुझे एक 200 लीटर का ड्रम दिया गया है और ग्राम नियोजन समिती मे एक बैल गाडी दी गई है जिसमे मै ड्रम रखकर अपनी वाडी मे पानी लाता हु। और मै अब सब्जी भाजी उगाकर अच्छी आय अर्जित कर रहा हुं और मुझे लंगता है कि अब वाडी के माध्यम से लखपती बनने के वो दिन दुर नही है मै बहुत ही कम समय मे वाडीपरियोजना के माध्यम से और मेरे कठिन परिश्रम से लखपती बन जाउंगी। मैने पपीता की खेती भी किया जिस्से मुझे 10000 से 20000 रू की आय प्राप्त हाने की संभावना है।

यहां मेरा बहुत अच्छा मन लग रहा है। अब मैने यहीं घर बना लिया हूँ। और वाडी में ही रहता हूँ। ताकि वाडी के माध्यम से मेरी एक सुनिश्चित आय बन सके। मेरे दो बेटों को पढाई करवा रहा हूँ। मै नागेश्वरा चैरिटेबल ट्रस्ट और नाबार्ड को धन्यबाद देता हूँ की मुझे और मेरे जैसे हजारों किसानों को आस–पास के गॉव में वाडी परियोजना से लाभान्वित किया।

****